त्रिदिवसीय गीता महासम्मेलन का सफल आयोजन

ओ.आर.सी.-गुरूग्राम। हमें अगर विश्व को सुख-शान्ति सम्पन्न बनाना है तो अपनी संस्कृति को पुन: जागृत कर विश्व को प्रेरित करना होगा। वास्तव में श्रीमद्भगवद्गीता के द्वारा ही हम सांस्कृतिक जागृति ला सकते हैं। गीता में मानव को देवत्व की ओर ले जाने की शिक्षा है।

उक्त विचार ब्रह्माकुमारीज़ के भोड़ाकलां के ओम् शान्ति रिट्रीट सेन्टर में आयोजित तीन दिवसीय गीता महासम्मेलन के उद्घाटन सत्र में **आचार्य पीठाधीश महामण्डलेश्वर श्री श्री 1008 डॉ. स्वामी शिवस्वरूपानन्द सरस्वती जी (श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी) जोधपुर** ने व्यक्त किये।

स्वामी विवेकानन्द योगा अनुसंधान संस्थान के कुलपति डॉ.एच.आर.नागेन्द्र ने कहा कि विज्ञान के युग में हम हर चीज़ को भौतिक दृष्टि से ही देखते हैं, लेकिन वास्तव में हम केवल पांच तत्वों से निर्मित एक शरीर नहीं हैं। हम सभी इस शरीर के द्वारा कार्य करने वाली आत्मा हैं जो प्रकृति से अलग है।

शरीर का उपचार हम विज्ञान के अनेक उपकरणों एवं औषधियों से कर सकते हैं, लेकिन आत्मा का उपचार करने के लिए योग ही एक मात्र माध्यम है। उन्होंने कहा कि गीता ही एक ऐसा ग्रन्थ है, जिसमें आत्मा का सम्पूर्ण ज्ञान है। गीता में आध्यात्मिकता का सत्य सार समाया है।

दादी जानकी के साथ दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए अतिथिगण।

महाशक्तिपीठ दिल्ली के संस्थापक वेदान्ताचार्य स्वामी नन्द सरस्वती ने कहा कि आज नकारात्मक विचारों के कारण ही कई लोग अपने जीवन को भी नष्ट कर देते हैं। आज हम अगर देखें, तो इसी कारण आज मानव भिखारी की तरह सारा दिन सम्मान की, प्यार की, शान्ति की किसी न किसी से भीख मांगता रहता है।

ब्रह्माकुमारी संस्थान की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कहा कि जीवन में सच्चाई, सफाई और सादगी बहुत ज़रूरी हैं। मैंने अपने जीवन में इन तीनों का अनुभव किया है। जितना हम सिम्पल रहते हैं, उतना ही दूसरों के लिए अच्छा सैम्पल बन सकते हैं। दादी ने कहा कि हमारा जीवन ऐसा हो कि जो भी हमें देखे उसे हमसे शान्ति का वरदान मिल जाए। जब गीता हमारे जीवन से प्रत्यक्ष होगी तब हमें किसी को कहने की भी आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

ऋषिकेश यतिधाम के संस्थापक महामंडलेश्वर जीवनदास जी महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि पूरे विश्व में शान्ति की स्थापना करने के लिए चित्त की शुद्धि बहुत ज़रूरी है।

सत्य में बड़ी ताकत है। सत्य को अपनाने से ही सामाजिक व्यवस्था बनी रह सकती है।

राजकोट गुजरात से आये स्वामी विश्वानन्द जी महाराज ने कहा कि हम सभी को आज वास्तविक सत्य को समझकर, सबको बताने की आवश्यकता है। हमारे साधु समाज को भी ब्रह्माकुमारी बहनों के साथ मिलकर कार्य करना होगा। ये भारत महान तीर्थ है क्योंकि यहाँ पर ही भगवान का अवतरण होता है।

ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन ने कहा कि गीता तो वास्तव में परमात्मा के अवतरण की यादगार है। यादगार से हमें प्रेरणा ज़रूर मिलती है, लेकिन जीवन को महान बनाने की शक्ति उससे प्राप्त नहीं हो सकती। परमात्मा के अवतरण का यही उचित समय है। जब गीता के भगवान को पुन: आकर सत्य धर्म की स्थापना और अधर्म का विनाश करना पड़ता है।

कार्यक्रम में पूर्व न्यायाधीश वी.ईश्वरैय्या, वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. उषा, ब्र.कु. डॉ. बसवराज तथा ब्र.कु. रामनाथ ने भी सम्बोधित किया।

आई.टी. व्यवसायियों के लिए सम्मेलन

सूचनाओं के आदान-प्रदान हेतु आंतरिक विकास ज़रूरी

ब्रह्माकुमारीज़ आई.टी. विंग की अध्यक्षा ब्र.कु. डॉ. निर्मला के साथ दीप प्रज्वलित करते हुए राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर, एच.एस.ई. इंजीनियरिंग रिलायंस प्रोजेक्ट प्रबन्धन समूह के उपाध्यक्ष डॉ. अतुल श्रीवास्तव, क्यू.ए. इन्फो लिमिटेड नोएडा के सी.ई.ओ. मुकेश शर्मा, क्यू.ए. कम्पनी के संस्थापक रजत शर्मा, ब्र.कु. यशवंत तथा अन्य।

शांतिवन। आज सूचना के युग में कुछ ही मिनटों में सूचना दुनिया के एक कोने से दूसरे कोने में पहुंच जाती है। परन्तु मनुष्य के अन्दर की सूचनाओं के आदान प्रदान के लिए आन्तरिक विकास ज़रूरी है। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आई.टी. व्यवसायियों के लिए आयोजित सेमिनार में एच.एस.ई. इंजीनियरिंग रिलायंस प्रोजेक्ट प्रबन्धन समूह के उपाध्यक्ष डॉ. अतुल श्रीवास्तव ने व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि गलत सूचनाओं के बिखराव पर रोक लगनी चाहिए। इस मामले में आई.टी. से जुड़े लोगों को बेकाबू होती सोशल मीडिया की रेगुलेशन के बारे में भी सोचना चाहिए। क्योंकि सोशल मीडिया के प्रभाव से दिनों दिन खासकर बच्चों की प्रवृत्ति बिगड़ती जा रही है। इससे माता पिता के साथ परिवार और रिश्तेदार भी चिंतित होने लगे हैं। इसलिए सूचना प्रौद्योगिकी के साधनों के बेहतर उपयोग के लिए राजयोग ध्यान का जीवन में उपयोग करना ज़रूरी है।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी संस्थान के महासचिव राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर ने कहा कि जब हम अन्दर से हर प्रकार से सशक्त रहेंगे तभी हम बाहरी चीज़ों पर भी ध्यान दे सकेंगे। जितनी तेजी से सूचनाओं का आदान-प्रदान हो रहा है, उसके लिए ज़रूरी है कि हम अध्यात्म पूर्ण विषयों को प्रमुखता दें।

इस सम्मेलन में आई.टी. प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. डॉ. निर्मला ने कहा कि आज आई.टी. ने प्रत्येक नागरिक को सूचनाओं के मामले में खुला आसमान दिया है। आज छोटे बच्चों से लेकर हर कोई सूचनाओं के प्रवाह में बह रहा है। परन्तु हमें उसमें बेहद सम्भलने की ज़रूरत है।

क्यू.ए. इन्फो लिमिटेड नोएडा के सी.ई.ओ. मुकेश शर्मा ने कहा कि जब हमारा मन शांत और स्थिर होता है तो हम हर कार्य को बड़ी आसानी से कर लेते हैं, क्योंकि लोगों को हर सूचना देने के पहले हमेशा सोचने की ज़रूरत है।

इस अवसर पर क्यू.ए. कम्पनी के संस्थापक रजत शर्मा, आई.टी. विंग के कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. यशवन्त, मुम्बई की ब्र.कु. श्रेया, ब्र.कु. सविता समेत कई लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये।

यहाँ का आध्यात्मिक वातावरण दिल को सुकून देने वाला

\- प्रसिद्ध टी.वी. कलाकार सिद्धार्थ शुक्ला

यहाँ परमात्मा से संवाद करने का सीधा और सरल तरीका

शांतिवन। छोटे पर्दे के चर्चित चेहरे तथा बालिका वधू, अजनबी, दिल से दिल तक, बिग बास-9 के विजेता एवं दर्जन भर धारावाहिकों के एक्टर तथा मॉडल सिद्धार्थ शुक्ला दो दिन तक भागदौड़ भरी ज़िन्दगी से दूर राजयोग ध्यान और मेडिटेशन करने के लिए ब्रह्माकुमारी संस्था के शांतिवन पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि माउण्ट आबू एक आध्यात्मिक नगरी के रूप में अपनी पहचान बना रहा है।

बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि रील लाईफ से रियल लाईफ बिल्कुल अलग है। जब हम शूटिंग और फिल्मों से अलग घर में होते हैं तो एक आम आदमी जैसी ही लाइफ होती है। फिल्म अभिनेताओं की ज़िन्दगी कोई आम लोगों से अलग नहीं होती है।

ब्रह्माकुमारी संस्थान में दो दिनों तक मैंने आकर महसूस किया है कि अध्यात्म और राजयोग से मन की शांति प्राप्त की जा सकती है, जो हर व्यक्ति के लिए ज़रूरी है। मैं कई संस्थाओं में गया हूँ, परन्तु यहाँ परमात्मा से संवाद करने का सीधा और सरल तरीका है। यहाँ का माहौल बिल्कुल सीरिच्युअल है, यहाँ हर किसी का चेहरा खुशी का कमिटमेंट देता दिखाई देता है। मैंने भी बाबा के कमरे में जाकर राजयोग मेडिटेशन किया तो मुझे बहुत ही शांति की अनुभूति हुई। यहाँ का शांतमय वातावरण दिल को सुकून देता है। ये शांति भरी ऊर्जा मेरे व्यस्त जीवन में बहुत मदद करेगी, ऐसा मेरा विश्वास है।

दादी जानकी जी 102 वर्ष की उम्र में भी इतनी ऊर्जावान हैं, यह सब अध्यात्म की ही कमाल है।

फिल्मों द्वारा फैल रही फूहड़ता के सम्बन्ध में पूछे गये सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि यह सत्य है कि कुछ वर्षों में खुलापन आया है। इससे समाज पर बुरा असर पड़ रहा है। इसके सुधार के लिए हम सभी को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SRO/9623/18-20, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2018-20, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 3rd Feb 2018
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित अमर उजाला प्रेस द्वारा मुद्रित।